



20/4/86

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 62]  
No. 62]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 18, 1986/फाल्गुन 27, 1907  
NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 18, 1986/PHALGUNA 27, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

राज्य सभा सचिवालय

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1986

प्रधिसूचना

सं. प्रार. एस. 46 (ii)/86-टी. :- भारत के संविधान की  
दसवीं अनुसूची के पैरा 8 के उप पैरा (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए राज्य सभा के सभापति द्वारा बनाये गये निम्नलिखित  
नियम, जो 18 मार्च, 1986 को लागू हुए, एतद्वारा सर्वसाधारण की  
जानकारी के लिए प्रकाशित किये जाते हैं :-

राज्य सभा सदस्य (बल परिवर्तन के माध्यम पर निर्णय)  
नियम, 1985

राज्य सभा के सभापति भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के  
पैरा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित  
नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम :- इन नियमों का संक्षिप्त नाम राज्य सभा के सदस्य  
(बल परिवर्तन के माध्यम पर निर्णय) नियम, 1985 है ।

2. परिभाषा :- इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपे-  
क्षित न हो—

- (क) "सभाचार" से राज्य सभा सभाचार अभिप्रेत है;
- (ख) "समिति" से राज्य सभा की विशेषाधिकार समिति अभिप्रेत है;
- (ग) "सभा" से राज्य सभा अभिप्रेत है ;
- (घ) "प्ररूप" से इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;
- (ङ) इन नियमों के संबंध में "प्रारम्भ की तारीख" से वह तारीख  
अभिप्रेत है, जिस तारीख को ये नियम दसवीं अनुसूची के  
पैरा 8 के उप-पैरा (2) के अधीन प्रभावी होंगे ;
- (च) किसी विधान बल के संबंध में, "नेता" से उस बल का ऐसा  
सदस्य अभिप्रेत है जिसे उस बल ने अपना नेता चुना है, और  
इसके अन्तर्गत उस बल का कोई ऐसा अन्य सदस्य भी है जो  
उत्पत्ति अनुपस्थिति में इन नियमों के प्रयोजनों के लिए उस  
बल के नेता के रूप में कार्य करते, या उसके कर्तव्यों का  
निर्वहन करने के लिए उस बल द्वारा प्राधिकृत किया गया  
है ;

(घ) "सदस्य" से राज्य सभा का सदस्य अभिप्रेत है ;

(ज) "दसवीं अनुसूची" से भारत के संविधान का दसवीं अनुसूची अभिप्रेत है ;

(झ) "महासचिव" से राज्य सभा का महासचिव अभिप्रेत है और उसके अंतर्गत वह व्यक्ति भी है जो महासचिव के कर्तव्यों का तत्समय निर्वहन कर रहा है ।

3. विधान दल के नेता द्वारा जानकारी का दिया जाना :—(1) प्रत्येक विधान दल का नेता (ऐसे विधान दल से चिन्त, जिसमें केवल एक सदस्य हो) इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख से तीस दिन के भीतर अथवा, जहाँ ऐसे विधान दल का गठन ऐसी तारीख के बाद किया गया है, वहाँ उसके अपने गठन की तारीख से तीस दिन के भीतर, अथवा दोनों ही वशाओं में, ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर, जिसकी समाप्ति पर्याप्त हेतुक के आधार पर अनुज्ञा दे, सभापति को निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा, यथातः—

(क) (लिखित रूप में) एक विवरण जिसमें ऐसे विधान दल के सदस्यों के नाम और उसके साथ ऐसे सदस्यों से संबंधित अन्य विवरण होंगे, जैसे कि प्ररूप 1 में है और ऐसे दल के उन सदस्यों के नाम और पदनाम होंगे, जिन्हें उस दल ने इन नियमों के प्रयोजनों के लिये सभापति से पत्र व्यवहार करने के लिए प्राधिकृत किया है ;

(ख) सम्बन्धित राजनीतिक दल के नियमों और विनियमों की एक प्रति (चाहे उन्हें इस नाम से या संविधान या किसी अन्य नाम से जाना जाता हो) ; और

(ग) जहाँ ऐसे विधान दल के कोई पृथक नियम और विनियम हैं, (चाहे उन्हें इस नाम से या संविधान या किसी अन्य नाम से जाना जाता हो) वहाँ तो ऐसे नियमों और विनियमों की एक प्रति ।

(2) जहाँ किसी विधान दल में केवल एक सदस्य है वहाँ ऐसा सदस्य इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख से तीस दिन के भीतर या जहाँ वह ऐसी तारीख के बाद सभा का सदस्य बना है, वहाँ सभा में अपना स्थान ग्रहण करने की तारीख से तीस दिन के भीतर अथवा दोनों ही वशाओं में ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जिसकी समाप्ति पर्याप्त हेतुक के आधार पर अनुज्ञा दे, सभापति को उपनियम (1) के खण्ड (ख) में उल्लिखित नियमों और विनियमों की एक प्रति भेजेगा ।

(3) ऐसे किसी विधान दल की संख्या में, जिसमें केवल एक सदस्य है, वृद्धि होने पर, उपनियम (1) के उपबंध ऐसे विधान दल के संबंध में बैसे ही लागू होंगे मानो वह विधान दल उस तारीख को बनाया गया है, जिस को उसकी संख्या में वृद्धि हुई है ।

(4) जब कभी किसी विधान दल के नेता द्वारा उपनियम (1) के अंतर्गत या किसी सदस्य द्वारा उपनियम (2) के अंतर्गत दी गई जानकारी में कोई परिवर्तन होता है तो वह उसके पश्चात् यथाशीघ्र और किसी भी स्थिति में उस तारीख से, जिसको ऐसा परिवर्तन किया गया है, तीस दिन के भीतर अथवा ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जिसका सभापति पर्याप्त हेतुक के आधार पर अनुज्ञा दे, सभापति को ऐसे परिवर्तन की लिखित जानकारी देगा ।

(5) जहाँ किसी राजनीतिक दल का कोई सदस्य ऐसे राजनीतिक दल द्वारा या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी व्यक्ति या प्राधिकारी द्वारा दिये गये किसी निदेश के विरुद्ध ऐसे राजनीतिक दल, व्यक्ति या प्राधिकारी की पूर्व अनुज्ञा प्राप्त किये बिना सभा में मतदान करता है या मतदान करने से विरत रहता है वहाँ संबंधित विधान दल का नेता या जहाँ ऐसा सदस्य ऐसे विधान दल का यथास्थिति, नेता या एकमात्र सदस्य है तो वहाँ ऐसा सदस्य यथाशीघ्र और किसी भी स्थिति में ऐसा मतदान करने या मतदान करने से विरत रहने के तीस दिन के भीतर, प्ररूप 2 के अनुसार, सभापति को यह जानकारी देगा कि ऐसे मतदान या मतदान करने से विरत रहने को ऐसे राजनीतिक दल, व्यक्ति या प्राधिकारी ने माफ किया है या नहीं ।

स्पष्टीकरण :—किसी सदस्य का मतदान से विरत रहना तभी माना जायेगा जब वह मतदान करने के लिए हक्कशर होते हुए, स्वेच्छा से मतदान से विरत रहता है ।

4. सदस्यों द्वारा जानकारी प्राप्ति का दिया जाना :—(1) ऐसा प्रत्येक सदस्य जिसने इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख से पूर्व सभा में अपना स्थान ग्रहण कर लिया है, ऐसी तारीख से तीस दिन के भीतर अथवा ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर, जिसकी अनुमति सभापति पर्याप्त कारण से दे, प्ररूप 3 में विशिष्टियों का एक विवरण और घोषणा महासचिव को भेजेगा ।

(2) प्रत्येक सदस्य, जो इन नियमों के प्रारम्भ के पश्चात् राज्य सभा में अपना स्थान ग्रहण करता है, संविधान के अनुच्छेद 99 के अधीन शपथ लेने या प्रतिज्ञा करने और राज्य सभा में अपना स्थान ग्रहण करने से पूर्व महासचिव के पास, यथास्थिति, अपना निर्वाचन प्रमाणपत्र या उस सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट करने वाली अधिसूचना की प्रमाणित प्रति जमा कराएगा और प्ररूप 3 में विशिष्टियों का एक विवरण और घोषणा महासचिव को देगा ।

स्पष्टीकरण :—इस उप नियम के प्रयोजनों के लिए, "निर्वाचन प्रमाणपत्र" से लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन जारी किया गया निर्वाचन प्रमाण पत्र अभिप्रेत है ।

(3) इस नियम के अधीन सदस्य जो जानकारी देगे उसका संक्षेप-सार समाचार में प्रकाशित किया जाएगा और यदि सभापति के समाधानप्रद रूप में उसमें कोई विसंगति बताई जाती है तो समाचार में आवश्यक शुद्धिपत्र प्रकाशित किया जाएगा ।

5. सदस्यों के बारे में जानकारी का रजिस्टर :—(1) महासचिव प्ररूप 4 में एक रजिस्टर रखेगा जो सदस्यों के संबंध में नियम 3 और नियम 4 के अधीन जानकारी पर आधारित होगा ।

(2) प्रत्येक सदस्य के संबंध में जानकारी, रजिस्टर में पृथक पृष्ठ पर अभिलिखित की जायेगी ।

6. निर्देश का अर्जी द्वारा किया जाना :—(1) कोई सदस्य दसवीं अनुसूची के अधीन निरर्थकता से ग्रस्त हो गया है या नहीं, इस प्रश्न का निर्देश उस सदस्य के संबंध में इस नियम के उपबंधों के अनुसार दी गई अर्जी द्वारा ही किया जाएगा अन्यथा नहीं ।

(2) किसी सदस्य के संबंध में अर्जी किसी अन्य सदस्य द्वारा सभापति को लिखित रूप में दी जा सकेगी ।

(3) किसी सदस्य के संबंध में कोई अर्जी देने से पहले, अर्जीदार अपना यह समाधान करेगा कि यह विश्वास करने के लिये युक्तियुक्त आधार मौजूद है कि अब यह प्रश्न उठता है कि क्या वह सदस्य दसवीं अनुसूची के अधीन निरहता से ग्रस्त हो गया है या नहीं।

(4) प्रत्येक अर्जी—

(क) में उन तात्विक तथ्यों का एक संक्षिप्त विवरण होगा जिन पर अर्जीदार निर्भर करता है; और

(ख) इसके साथ ऐसे दस्तावेजी साक्ष्य हों, यदि कोई हों, प्रतियाँ, संलग्न होंगी, जिस पर अर्जीदार निर्भर करता है और जहाँ अर्जीदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उसे दी गयी किसी जानकारी पर निर्भर करता है, वहाँ उन व्यक्तियों के नाम और पते सहित विवरण और ऐसे प्रत्येक व्यक्ति द्वारा दी गई ऐसी जानकारी का सारांश संलग्न होगा।

(5) प्रत्येक अर्जी पर अर्जीदार के हस्ताक्षर होंगे और उसे अभिवचनों के सत्यापन के लिये लिखित प्रक्रिया संज्ञित, 1908 (1908 का 5) में अधिकृत रीति से गृह्यपत्र किया जायेगा।

(6) अर्जी के प्रत्येक उपाखण्ड पर भी अर्जीदार के हस्ताक्षर होंगे और उसे अर्जी के समान रीति से सत्यापित किया जायेगा।

7. प्रक्रिया :—(1) नियम 6 के अधीन अर्जी प्राप्त होने पर, सभापति इस बात पर विचार करेगा कि क्या अर्जी उक्त नियम की अपेक्षाओं का अनुपालन करती है।

(2) यदि अर्जी नियम 6 की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करती है, तो सभापति अर्जी को खारिज करेगा और अर्जीदार को तत्पश्चात् संसूचित करेगा।

(3) यदि अर्जी नियम 6 की अपेक्षाओं का अनुपालन करती है, तो सभापति अर्जी और उसके उपाखण्डों की प्रतियाँ—

(क) उस सदस्य को, जिसके संबंध में अर्जी दी गई है; और

(ख) जहाँ ऐसा सदस्य किसी विधान सभा का है, और ऐसी अर्जी उस सभा के नेता ने नहीं दी है, वहाँ ऐसे नेता को भी,

अप्रेषित करवायेगा और ऐसा सदस्य या नेता, ऐसी प्रतियों की प्राप्ति से सात दिन के भीतर, या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर, जिसकी सभापति पर्याप्त हेतु के आधार पर अज्ञात है, उस पर अपनी लिखित टिप्पणी सभापति को भेजेगा।

(4) अर्जी के संबंध में, (चाहे मूलतः या उक्त उप नियम के अधीन विस्तारित) अनुज्ञान अवधि के भीतर उपनियम (3) के अधीन प्राप्त टिप्पणी पर, यदि कोई हों, विचार करने के पश्चात्, सभापति उस प्रश्न का अवधारण करने के लिये अधिसूचित होगा या, यदि उसका उस मामले की प्रकृति और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह समाधान हो जाता है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, तो वह अर्जी की

प्रारंभिक जांच करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये उसे समिति को निर्देशित करेगा।

(5) सभापति, उपनियम (4) के अधीन समिति की अर्जी निर्देशित करने के पश्चात्, यथाशीघ्र, अर्जीदार को तत्पश्चात् संसूचित करेगा और ऐसे निर्देश के संबंध में सदन में घोषणा करेगा या, यदि सदन का सत्र उस समय नहीं चल रहा है तो उस निर्देश की जानकारी समाचार में प्रकाशित करायेगा।

(6) जहाँ सभापति समिति को उपनियम (4) के अधीन निर्देश करता है, वहाँ वह समिति से रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात् यथाशीघ्र उक्त प्रश्न का अवधारण करेगा।

(7) वह प्रक्रिया जिसका अनुवर्णन सभापति उपनियम (4) के अधीन किसी प्रश्न के अवधारण के लिये करेगा और यह प्रक्रिया जिसका अनुवर्णन समिति प्रारंभिक जांच के प्रयोजन के लिये करेगी, जहाँ तक हो सके, वही प्रक्रिया होगी जो प्रक्रिया किसी सदस्य द्वारा सभा के विशेषाधिकार का भंग किये जाने के बारे में किसी प्रश्न का समिति द्वारा अवधारण करने के लिये लागू है और सभापति या समिति इस निष्कर्ष पर कि वह सदस्य दसवीं अनुसूची के अधीन निरहता से ग्रस्त हो गया है, तभी पहुँचेंगे जब कि उस सदस्य को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का और वैयक्तिक रूप से सुनवाई का उचित अवसर प्रदान किया गया है।

8. अर्जी पर विनिश्चय—(1) अर्जी पर विचार पूरा होने के पश्चात्, सभापति लिखित आदेश द्वारा—

(क) अर्जी को खारिज करेगा; या

(ख) यह घोषणा करेगा कि वह सदस्य जिसके संबंध में अर्जी दी गई है, दसवीं अनुसूची के अधीन निरहता से ग्रस्त हो गया है।

और उस आदेश की प्रतियाँ अर्जीदार को, उस सदस्य को, जिसके संबंध में अर्जी दी गई है, और संबंधित विधान सभा के नेता को, यदि कोई हो, परिदत्त या अप्रेषित करवायेगा।

(2) ऐसा प्रत्येक विनिश्चय, जिसमें किसी सदस्य को दसवीं अनुसूची के अधीन निरहता से ग्रस्त घोषित किया गया है, सभा को, यदि सभा सत्र में है तो तुरन्त रिपोर्ट किया जायेगा, और यदि सभा सत्र में नहीं है तो सभा के पुनःसमवेत होने के तुरन्त पश्चात् रिपोर्ट किया जायेगा।

(3) उपनियम (1) में विनिश्चित प्रत्येक विनिश्चय समाचार में प्रकाशित किया जायेगा और राजपत्र में अधिसूचित किया जायेगा तथा महासचिव उस विनिश्चय की प्रतियाँ भारत के निर्वाचन आयोग को और केन्द्रीय सरकार को अप्रेषित करेगा।

9. इन नियमों के विस्तृत कार्यकरण के संबंध में निर्देश—सभापति समय-समय पर ऐसे निर्देश दे सकेगा, जो वह इन नियमों के विस्तृत कार्यकरण के बारे में आवश्यक समझे।

## प्रकरण-1

[नियम 3(1) देखिए]

विधान-सल का नाम :

तत्स्थानी राजनीतिक सल का नाम :

क्रमांक	सदस्य का नाम (स्पष्ट अक्षरों में)	पिता/पति का नाम	स्थायी पता	जिस राज्य से निर्वाचित है
1	2	3	4	5

तारीख :

विधान-सल के नेता के हस्ताक्षर

## प्रकरण-2

[नियम 3(5) देखिए]

सेवा में,

सभापति,

राज्य सभा।

महोदय,

सभा की ..... (तारीख) को हुई बैठक में ..... विषय पर हुए मतदान में  
 \*श्री ..... संसद सदस्य ने जिनका ..... \*मने अर्थात् ..... (सदस्य  
 (विभाजन संख्या ..... ) है और जो ..... (राजनीतिक ..... का नाम'), संसद सदस्य ने जिसकी (विभाजन संख्या ..... ) है  
 सल का नाम) के सदस्य हैं, तथा जो ..... (विधानसल का ..... और जो ..... (राजनीतिक सल  
 नाम) के सदस्य हैं। ..... का नाम) का सदस्य और जो .....  
 ..... (विधान-सल का नाम) का नेता/एकमात्र सदस्य हैं।

..... † (\*व्यक्ति/प्राधिकारी/सल द्वारा दिए गए निर्देशों के विरुद्ध उनकी व्यक्ति/प्राधिकारी/सल) की पूर्व अनुज्ञा  
 प्राप्त किए बिना मतदान किया है/मतदान नहीं किया है।

2. .... (तारीख) को पूर्वोक्त मामले पर ..... \*† (व्यक्ति/प्राधिकारी/सल) द्वारा  
 विचार किया गया और उन \*मतदान करने/मतदान करने से विरत रहने को, उसके द्वारा भागी किया गया/भागी नहीं किया गया।

भवदीय,

तारीख

(हस्ताक्षर)

† अनुपयुक्त शब्दों/अंश को काट दें।

\* (यहाँ पर, यथास्थिति, ऐसे व्यक्ति, प्राधिकारी, सल का नाम लिखें जिसने भिन्न विचार दिया है।)

## प्रकरण-3

(नियम 4 देखिए)

1. सदस्य का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) ;
2. पिता/पति का नाम ;
3. स्थायी पता ;
4. दिल्ली का पता ;
5. निर्वाचन/नाम निर्देशन की तारीख ;
6. जिस दल से सम्बद्ध है/हैं—
  - (i) निर्वाचन/नाम निर्देशन की तारीख को ;
  - (ii) \* 28 फरवरी, 1985 को ;
  - (iii) इस प्रकरण पर हस्ताक्षर करने की तारीख को ;

## घोषणा

मैं: ..... यह घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त जानकारों सत्य और सही हैं।

ऊपरों की गई जानकारी में कोई परिवर्तन होने पर मैं सभापति महोदय को तत्काल सूचित करने का वचन देता हूँ।

तारीख :

सदस्य के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

\* 1 मार्च, 1985, अर्थात् संविधान (बाबनबा संशोधन) अधिनियम, 1985 के प्रारम्भ की तारीख से पूर्वनिर्वाचित या नाम-निर्दिष्ट सदस्यों द्वारा भरा जायगा।

## प्रकरण-4

[नियम 5 (1) देखिए]

सदस्य का नाम (स्पष्ट अक्षरों में)	पिता/पति का नाम	स्थायी पता	दिल्ली का पता	जिस राज्य से निर्वाचित है	निर्वाचन/नाम निर्देशन की तारीख	सभा में स्थान ग्रहण करने की तारीख	कार्यकाण्ड के जिस से यह आरम्भ होने की तारीख	जिस से यह सम्बद्ध है, उस राज- नीतिक दल का नाम	फिर से यह सम्बद्ध है, उस विधान दल का नाम	टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

## RAJYA SABHA SECRETARIAT

New Delhi, 18th March, 1986

## NOTIFICATION

NO. R.S. 46(i)]86-T.—The following Rules, made by the Chairman, Rajya Sabha, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 8 of the Tenth Schedule to the Constitution of India, and which came into force on the 18th March, 1986, are hereby published for general information :—

**THE MEMBERS OF RAJYA SABHA (DISQUALIFICATION ON GROUND OF DEFECTION) RULES, 1985**

In exercise of the powers conferred by paragraph 8 of the Tenth Schedule to the Constitution of India, the Chairman, Rajya Sabha, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title.—These rules may be called the members of Rajya Sabha (Disqualification on ground of Defection) Rules, 1985.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

- (a) 'Bulletin' means the Bulletin of the Council of States (Rajya Sabha) ;
- (b) 'Committee' means the Committee of Privileges of the Council of States (Rajya Sabha) ;
- (c) 'Council' means the Council of States (Rajya Sabha) ;
- (d) 'Form' means a form appended to these rules ;
- (e) 'date of commencement', in relation to these rules, means the date on which these rules take effect under sub-paragraph (2) of paragraph 8 of the Tenth Schedule ;
- (f) 'leader' in relation to a legislature party, means a member of the party chosen by it as its leader and includes any other member of the party authorised by the party to act in the absence of the leader as, or discharge the functions of, the leader of the party for the purposes of these rules ;
- (g) 'member' means a member of the Council of States (Rajya Sabha) ;
- (h) 'Tenth Schedule' means the Tenth Schedule to the Constitution of India ;
- (i) 'Secretary-General', means the Secretary-General to the Council of States (Rajya Sabha), and includes any person for the time being performing the duties of the Secretary-General.

3. Information to be furnished by leader of a legislature party.—(1) The leader of each legislature party (other than a legislature party consisting of only one member) shall, within thirty days from the date of commencement of these

rules or, where such legislature party is formed after such date, within, thirty days from the date of its formation, or in either case, within such further period as the Chairman may for sufficient cause allow, furnish the following to the Chairman, namely :—

- (a) a statement (in writing) containing the names of members of such legislature party together with other particulars regarding such members as in Form-I, and the names and designations of the Members of such party who have been authorised by it for communicating with the Chairman for purposes of these rules ;
- (b) a copy of the rules and regulations (whether known as such or as constitution or by any other name) of the political party concerned ; and
- (c) where such legislature party has any separate set of rules and regulations (whether known as such or as constitution or by any other name), also a copy of such rules and regulations.

(2) Where a legislature party consists of only one member, such member shall furnish a copy of the rules and regulations mentioned in clause (b) of sub-rule (1) to the Chairman within thirty days from the date of commencement of these rules or, where he has become a member of the Council after such date, within thirty days from the date on which he has taken his seat in the Council or, in either case, within such further period as the Chairman may for sufficient cause allow.

(3) In the event of any increase in the strength of a legislature party consisting of only one member, the provisions of sub-rule (1) shall apply in relation to such legislature party as if such legislature party had been formed on the first date on which its strength increased.

(4) Whenever any change takes place in the information furnished by the leader of a legislature party under sub-rule (1) or by a member under sub-rule (2), he shall, as soon as may be thereafter and in any case within thirty days from the date on which such change has taken place or within such further period as the Chairman may for sufficient cause allow, furnish in writing information to the Chairman with respect to such change.

(5) Where a Member belonging to any political party votes or abstains from voting in the Council contrary to any direction issued by such political party or by any person or authority authorised by it in this behalf, without obtaining, in either case, the prior permission of such political party, person or authority, the leader of the legislature party concerned or where such member is the leader, or as the case may be, the sole member of such legislature party, such member, shall, as soon as may be thereafter and in any case within thirty days from the date of such voting or abstention, inform the Chairman as in Form-II whether such voting or

abstention has or has not been condoned by such political party, person or authority.

**Explanation** A member may be regarded as having abstained from voting only when he, being entitled to vote, voluntarily refrained from voting.

4. Information etc., to be furnished by members.—(1) Every member who has taken his seat in the Council before the date of commencement of these rules shall furnish to the Secretary-General within thirty days from such date or within such further period as the Chairman may for sufficient cause allow, a statement of particulars and declaration as in Form-III.

(2) Every member who takes his seat in the Council after the commencement of these rules shall, before making and subscribing an oath or affirmation under article 99 of the Constitution and taking his seat in the Council, deposit with the Secretary-General his election certificate or, as the case may be, a certified copy of the notification nominating him as a member and also furnish to the Secretary-General a statement of particulars and declaration as in Form-III.

**Explanation.**—For the purposes of this sub-rule, "Election Certificate" means the certificate of election issued under the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) and the rules made thereunder.

(3) A summary of the information furnished by the members under this rule shall be published in the Bulletin and if any discrepancy therein is pointed out to the satisfaction of the Chairman, necessary corrigendum shall be published in the Bulletin.

5. Register of information as to members.—(1) The Secretary-General shall maintain, as in Form-IV, a register based on the information furnished under rules 3 and 4 in relation to the members.

(2) The information in relation to each member shall be recorded on a separate page in the register.

6. References to be by petitions.—(1) No reference of any question as to whether a member has become subject to disqualification under the Tenth Schedule shall be made except by a petition in relation to such member made in accordance with the provisions of this rule.

(2) A petition in relation to a member may be made in writing to the Chairman by any other member.

(3) Before making any petition in relation to any member, the petitioner shall satisfy himself that there are reasonable grounds for believing that a question has arisen as to whether such member has become subject to disqualification under the Tenth Schedule.

(4) Every petition —

(a) shall contain a concise statement of the material facts on which the petitioner relies; and

(b) shall be accompanied by copies of the documentary evidence, if any, on which the petitioner relies and where the petitioner relies on any information furnished to him by any person, a statement containing the names and addresses of such persons and the gist of such information as furnished by each such person.

(5) Every petition shall be signed by the petitioner and verified in the manner laid down in the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), for the verification of pleadings.

(6) Every annexure to the petition shall also be signed by the petitioner and verified in the same manner as the petition.

7. Procedure.—(1) On receipt of a petition under rule 6, the Chairman shall consider whether the petition complies with the requirements of that rule.

(2) If the petition does not comply with the requirements of rule 6, the Chairman shall dismiss the petition and intimate the petitioner accordingly.

(3) If the petition complies with the requirements of rule 6, the Chairman shall cause copies of the petition and of the annexures thereto to be forwarded—

(a) to the member in relation to whom the petition has been made, and

(b) where such member belongs to any legislature party and such petition has not been made by the leader thereof, also to such leader,

and such member or leader shall, within seven days of the receipt of such copies, or within such further period as the Chairman may for sufficient cause allow, forward his comments in writing thereon to the Chairman.

(4) After considering the comments, if any, in relation to the petition, received under sub-rule (3) within the period allowed (whether originally or on extension under that sub-rule), the Chairman may either proceed to determine the question or, if he is satisfied, having regard to the nature and circumstances of the case that it is necessary or expedient so to do, refer the petition to the committee for making a preliminary inquiry and submitting a report to him.

(5) The Chairman shall, as soon as may be after referring a petition to the Committee under sub-rule (4), intimate the petitioner accordingly and make an announcement with respect to such reference in the House or, if the House is not then in session, cause the information as to the reference to be published in the Bulletin.

(6) Where the Chairman make a reference under sub-rule (4) to the Committee, he shall proceed to determine the question as soon as may be after receipt of the report from the Committee.

(7) The procedure which shall be followed by the Chairman for determining any question and the procedure which shall be followed by the Committee for the purpose of making a preliminary inquiry under sub-rule (4) shall be, so far as may be, the same as the procedure applicable for the determination by the Committee of any question as to breach of privilege of the Council by a member, and neither the Chairman nor the Committee shall come to any finding that a member has become subject to disqualification under the Tenth Schedule without affording a reasonable opportunity to such member to represent his case and to be heard in person.

8. Decision on petitions.—(1) At the conclusion of the consideration of the petition, the Chairman shall by order in writing,—

- (a) dismiss the petition, or
- (b) declare that the member in relation to whom the petition has been made has become

subject to disqualification under the Tenth Schedule,

and cause copies of the order to be delivered or forwarded to the petitioner, the member in relation to whom the petition has been made and to the leader of the legislature party, if any, concerned.

(2) Every decision declaring a member to have become subject to disqualification under the Tenth Schedule shall be reported to the Council forthwith if the Council is in session, and if the Council is not in session immediately after the Council reassembles.

(3) Every decision referred to in sub-rule (1) shall be published in the Bulletin and notified in the Official Gazette and copies of such decision shall be forwarded by the Secretary-General to the Election Commission of India and the Central Government.

9. Directions as to detailed working of these rules.—The Chairman may, from time to time, issue such directions as he may consider necessary in regard to the detailed working of these rules.

#### FORM I

[Sec Rule 3(1)]

Name of the legislature party :

Name of the corresponding political party :

Sl. No.	Name of the Member (in block letters)	Father's/Husband's name	Permanent Address	Name of the State from which elected
1	2	3	4	5

Date

Signature of the leader of the legislature party

#### FORM II

[Sec Rule 3(5)]

To

The Chairman,  
Rajya Sabha

Sir,

At the sitting of the Council held on \_\_\_\_\_ (date) during voting on \_\_\_\_\_  
(Subject-matter) \_\_\_\_\_

† I, \_\_\_\_\_ M.P.  
(Division No. \_\_\_\_\_),  
member of \_\_\_\_\_,  
(name of political party), and member of \_\_\_\_\_  
(name of legislature party)  
had voted/abstained from voting  
contrary to the direction issued by \_\_\_\_\_  
mission of the said †person/authority/party.

† I, \_\_\_\_\_ (name of the member),  
M.P. (Division No. \_\_\_\_\_),  
member of \_\_\_\_\_  
(name of political party) and leader of/sole member of \_\_\_\_\_  
(name of legislature party) voted/abstained  
from voting.

\*\* (†person/authority/party) without obtaining the prior per-

2. On (date) \_\_\_\_\_ the aforesaid matter was considered by \_\_\_\_\_  
\*\*(†person/authority/party) and the said voting†/abstention was condoned†/was not condoned by him†/it.

Yours faithfully,

Date

(Signature)

†Strike out inappropriate words/portion.

\*\* (Here mention the name of the person/authority/party, as the case may be, who had issued the direction).



## FORM III

[See Rule 4]

1. Name of the member (in block letters) :
2. Father's/Husband's name :
3. Permanent Address :
4. Delhi Address :
5. Date of election/nomination :
6. Party affiliation as on— :
- (i) date of election/nomination :
- \*(ii) the 28th February, 1985 :
- (iii) date of signing this form :

## DECLARATION

I, \_\_\_\_\_ hereby declare that the information given above is true and correct.

In the event of any change in the information above, I undertake to inform the Chairman immediately.

Date

Signature/thumb  
impression of member

\*To be filled in by members elected or nominated before the 1st March, 1985, being the date of commencement of the Constitution (Fifty-second Amendment) Act, 1985.

## FORM IV

[See Rule 5(1)]

Number of the Member (in block letters)	Father's husband's name	Permanent Address	Delhi Address	Name of the the State from which elected	Date of Election/ nomina- tion	Date of taking seat in the Council	Date of commen- cement of Term of office	Name of politi- cal party to which he belongs	Name of Legisla- ture party to which he belongs	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

SUDARSHAN AGARWAL, Secretary-General